

SHRI. ZAVERILAL DALPATRAM MEHTA

Shri Zaverilal Dalpatram Mehta is a Photo Journalist of Gujarat Samachar, a daily Gujarati Newspaper, since 1972. His area of focus concentrated on the subject "LIFE" of people rather than ordinary photos. Also he made people to read photograph by beautiful detailed write up under the photo, reason being he is popularly known as a Photo Journalist rather than Photographer. The publication of his photo stories occupied columns and rows on the front page of the daily Gujarat Samachar for almost four decades. His expertise includes the photograph intertwining the environment and the subject, subtle but loud, in the simplest form as to reach maximum readers and connect to them. It is a boon that he in his early 90's as well he is able to make the most of skills and continue to work with same spirit and zeal.

2. Born on July 9, 1928 at Halvad, Gujarat, Shri Mehta studied "Commercial Arts" at Sir JJ School of Arts, Mumbai. Later he joined Arvind Mills at Ahmedabad as "Textiles Artist" for 18 years. Along with that he worked as a freelancer and captured pictures for various daily newspapers like Times of India, Jansatta, Gujarat Samachar, Sandesh etc. for the weekly novel episode. In 1972, the Editor of Gujarat Samachar offered him to join the daily located at Delhi. Those 4 years at Delhi he captured very important political moments through his lens particularly Smt. Indira Gandhi, Shri Moraraji Desai etc. and also connected well with all-time great photographers like Raghu Rai and Kishor Parekh.

3. Shri Mehta returned to Ahmadabad after those 4 learning years at Delhi and captured thousands of pictures which got recognition on the front page of the daily - Gujarat Samachar. The simple texts, jargons and the down to earth approach with the aam aadmi not only made him connect to the readers but also induced new readers towards reading about the culture and literature. Four decades captured the lives of people depicting their way of life, unique and distinguished feature that stands out giving them recognition, their general issues, raising concerns, increasing awareness and also led to draw attention of the Government bodies for quick and amicable resolution of problems.

4. Shri Mehta is the recipient of numerous awards and honours. The Government of Gujarat honoured him with the "Best Photo Journalist" award for the year of 1996-97. He received the honour from Ahmedabad Municipality Commission with "Sarvoday Award", Kishor Parekh "Shaishav Award". He was honoured with the "Gaurav Award" by the Gujarat State, Lalit Kala Akaadami in the year 2008-09. The book "Flashback" — a compilation of his immense contribution was published and inaugurated by the then Honourable Chief Minister Shri Narendra Modi. The journey doesn't stop at the awards but only acts as a recognition, acknowledgement and motivation factor. His main goal remains unchanged to serve the society by covering the social, political and cultural themes in the photo stories. Utterly grateful to continue the journey and proving age is just a number at 90 with the blessings of Goddess Devi Saraswati.



श्री झवेरीलाल दलपतराम महेता

श्री झवेरीलाल दलपतराम महेता 1972 से गुजराती समाचार-पत्र गुजरात समाचार के फोटो पत्रकार हैं। आपने सामान्य फोटोग्राफी के स्थान पर लोगों के 'जीवन'पर ज्यादा ध्यान दिया है। फोटो के नीचे सुन्दर विस्तृत लेख लिखकर आपने लोगों को फोटो का अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया, कारण यही था कि लोगों के बीच आप फोटोग्राफर के स्थान पर फोटो पत्रकार के रूप में ज्यादा विख्यात हैं। आपके फोटो वृत्तान्त लगभग चार दशकों तक गुजरात समाचार पत्र के पहले पन्ने के कॉलमों और पंक्तियों में स्थान पाते थे। फोटो में, पर्यावरण और उसके विषय को परस्पर घनीभूत कर देना आपकी विशेषज्ञता रही है जो प्रखर तो होते हैं किन्तु तड़क-भड़क वाले नहीं और इनके फोटो साधारण स्वरूप में होते हैं ताकि अधिकतम पाठकों तक पहुंच सकें और उनसे जुड़ सकें। यह एक वरदान ही है कि आप 90 वर्ष की आरंभिक आयु में हैं और कौशल का सही उपयोग कर पा रहे हैं तथा उसी उत्साह और जोश के साथ कार्य कर रहे हैं।

2. आपका जन्म 9 जुलाई, 1928 को हल्वाड गुजरात में हुआ और आपने सर जेजे स्कूल ऑफ आर्ट्स, मुम्बई से "वाणिज्यिक कला" का अध्ययन किया। इसके बाद आपने "वस्त्र चित्रकार" के रूप में अहमदाबाद की अरविन्द मिल्स में 18 वर्ष तक कार्य किया। इसके साथ आपने स्वतन्त्र पत्रकार के रूप में कार्य किया और साप्ताहिक उपन्यास एपिसोड हेतु विभिन्न दैनिक समाचार पत्रों जैसे टाइम्स ऑफ इंडिया, जनसत्ता, गुजरात समाचार, संदेश आदि के लिए तस्वीरें खींची। सन 1972 में गुजरात समाचार के संपादक ने आपको दिल्ली स्थित समाचार-पत्र में कार्यभार ग्रहण करने का प्रस्ताव दिया। दिल्ली में उन चार वर्षों में आपने अपने कैमरे से महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षणों को कैद किया, विशेषकर श्रीमती इंदिरा गांधी, श्री मोरारजी देसाई आदि साथ ही आप महान छायाकारों जैसे रघु राय और किशोर पारेख के साथ भी घनिष्ठता से जुड़े रहे।

3. उन चार विद्यापूर्ण वर्षों के पश्चात आप अहमदाबाद लौट आए तथा आपने हजारों तस्वीरें खींची जिन्हें दैनिक समाचार-पत्र गुजरात समाचार के पहले पन्ने पर स्थान मिला। आम भाषा में लेखन, तकिया कलाम और आम आदमी के प्रति व्यावहारिक दृष्टिकोण होने के कारण आप न केवल पाठकों से जुड़ पाए बल्कि संस्कृति और साहित्य के अध्ययन के लिए नए पाठकों को भी प्रेरित किया। चार दशकों में आपने लोगों के जीवन जीने के तरीके, और उन अनन्य और विशिष्ट बातों को प्रस्तुत किया जो उनकी मान्यताओं, उनके आम मुद्दों को दर्शाती हैं, सरोकार और जागरूकता बढ़ाती हैं तथा कठिनाईओं के शीघ्र और मित्रवत समाधान हेतु सरकारी निकायों का ध्यान आकर्षित करती हैं।

4. आप बहुत से पुरस्कार और सम्मान प्राप्त कर चुके हैं। गुजरात सरकार ने वर्ष 1996-97 के लिए आपको "बेस्ट फोटो जर्नलिस्ट" के पुरस्कार से सम्मानित किया। अहमदाबाद नगर पालिका आयोग से आपको "सर्वोदय अवार्ड", किशोर पारेख "शैशव अवार्ड" मिला। वर्ष 2008-09 में गुजरात राज्य, ललितकला अकादमी द्वारा आपको "गौरव अवार्ड" से सम्मानित किया गया। आपके बहुत बड़े योगदान संग्रह वाली पुस्तक "फ्लैश बुक" प्रकाशित की गई और तत्कालीन माननीय मुख्यमंत्री द्वारा इसका विमोचन किया गया। यह यात्रा अवार्ड्स पर ही समाप्त नहीं हो जाती किन्तु यह केवल मान्यता, स्वीकृति और प्रेरणाप्रद तथ्य के रूप में काम करती है। आपका मुख्य उद्देश्य अभी भी फोटो वृत्तान्तों में सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक विषयों को शामिल करके समाज की सेवा करना है। यह यात्रा जारी रखने और यह साबित करने के लिए की 90 वर्ष की आयु मात्र एक संख्या है, आप देवी सरस्वती के पूर्ण रूप से कृतज्ञ हैं।